



पाठ – सोलह

संक्रामक रोग

कीटाणु, संक्रामक, रोग, संचरणी, संसर्गी, छिटपुट, महामारी, स्थानिक, व्यापक, अल्प, भयानक, फैलाव, माध्यम, प्रवेश, शरीर, मक्खी, खाद्य, पदार्थ, आसानी, दस्त, पेचिश, हैजा, खतरनाक, मच्छर, मलेरिया, रक्त, विषैला, क्षय, एड्स, बचाव, मच्छरदानी, बरतना, चिकित्सा, जाँच, सलाह।

बहुत ही छोटे-छोटे कीटाणुओं द्वारा एक प्राणी से दूसरे प्राणी तक फैलाए जाने वाले रोगों को संक्रामक रोग कहते हैं। इन्हें संचरणी या संसर्गी रोग भी कह सकते हैं। ऐसे रोगियों के संसर्ग में रहने से किसी भी व्यक्ति को रोग लग जाता है। संक्रामक रोग बहुत ही छोटे कीटाणुओं द्वारा फैलाए जाते हैं। हम इन कीटाणुओं को आँखों से नहीं देख पाते। संक्रामक रोग तीन प्रकार के होते हैं — छिटपुट बीमारी, महामारी और स्थानिक बीमारी।

पहले प्रकार की बीमारी कुछ लोगों को ही लगती है। यह रोग व्यापक रूप से नहीं फैलता। दूसरे प्रकार का रोग है महामारी। यह रोग दूर-दूर तक फैल सकता है। यह अल्प समय में ही भयानक रूप धारण कर लेता है। इसमें रोगी बहुत कष्ट पाता है। तीसरे प्रकार का रोग एक जगह सीमित रहता है। उसे स्थानिक बीमारी कहा जाता है।

संक्रामक रोगों का फैलाव तीन माध्यमों से होता है। हवा और पीने के पानी को माध्यम बनाकर संक्रामक रोग के छोटे-छोटे कीटाणु मनुष्य के शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। इधर-उधर उड़ती मक्खियाँ कीटाणुओं को खाद्य पदार्थों पर छोड़ देती हैं। ऐसी चीजों को खाने से कीटाणु मनुष्य के शरीर में आसानी से प्रवेश करके रोग फैलाते हैं। इस तरह फैलने वाले रोगों में दस्त, पेचिश और हैजा उल्लेखनीय हैं। बच्चों के लिए दस्त की बीमारी बहुत खतरनाक होती है।

संक्रामक रोगों के फैलने का दूसरा माध्यम है, मच्छर। मच्छरों के काटने से मलेरिया हो जाता है। मलेरिया के रोगियों का रक्त विषैला हो जाता है। मच्छर इस विषैले रक्त को अपने पेट

में भर कर किसी अन्य व्यक्ति के शरीर में छोड़ देते हैं। इससे वह व्यक्ति भी मलेरिया का रोगी बन जाता है। इस तरह संक्रामक रोग फैलता है।

तीसरा मार्ग है संसर्ग। संसर्ग से होने वाले रोगों में क्षय रोग सब से खतरनाक है।

इन सब रोगों के बचाव के लिए साफ-सुथरा रहना और मच्छरदानी का प्रयोग करना आवश्यक है। इसके अलावा नियमित चिकित्सा जाँच कराना और रोग हो जाने पर चिकित्सक की सलाह के अनुसार चलना भी जरूरी है।

प्रश्न-अभ्यास

1. नीचे लिखे शब्दों के अर्थों को समझो :—

कीटाणु	=	अति सूक्ष्म कीड़ा, जो आँखों से दिखाई नहीं देता।
प्राणी	=	जीव-जन्तु, जिसमें प्राण हो।
संक्रामक	=	संसर्ग से फैलने वाला रोग।
संचरणी	=	फैलाव।
अल्प समय	=	थोड़ा समय।
भयानक	=	डरावना, भयकारी।
आसानी	=	सरलता।
खतरनाक	=	खतरे से भरा हुआ, जोखिम से पूर्ण।
उल्लेखनीय	=	लिखने योग्य, बताने योग्य।
विषैला	=	विष से भरा, ज़हरीला।
मच्छरदानी	=	मच्छरों से बचाने वाला विशेष रूप से सिला कपड़ा, मसहरी।
चिकित्सा	=	रोग दूर करने का इलाज।
जाँच	=	परीक्षा, परख।
सलाह	=	राय, मंत्रणा।

2. उत्तर दो :—

- (क) संक्रामक रोग किसे कहते हैं ?
- (ख) इन्हें और किस नाम से पुकार सकते हैं ?
- (ग) ये रोग किनके द्वारा फैलाए जाते हैं ?
- (घ) ये रोग कितने प्रकार के होते हैं ?
- (ङ) हर प्रकार के रोग के नाम लिखो ।
- (च) कौन-सा संक्रामक रोग अल्प समय में भयानक रूप ले सकता है ?
- (छ) संक्रामक रोग किन-किन माध्यमों से फैल सकते हैं ?
- (ज) संक्रामक रोगों से बचाने के लिए क्या-क्या करना चाहिए ?
- (झ) इस पाठ को पढ़ने के बाद तुम दूसरों को क्या संदेश देना चाहो ?
- (ञ) किन्हीं दो संक्रामक रोगों के बारे में तीन-तीन वाक्य लिखिए ।

3. वाक्य बनाओ :—

संक्रामक	-----
अल्प	-----
कीटाणु	-----
भयानक	-----
प्राणी	-----
खतरनाक	-----
विषैला	-----
चिकित्सा	-----
सलाह	-----
जाँच	-----

4. खाली जगह भरो :—

- (क) संक्रामक रोग बहुत ही छोटे ----- फैलाए जाते हैं ।
 (ख) महामारी ----- फैल सकती है ।
 (ग) यह अल्प समय में ही ----- धारण कर लेता है ।
 (घ) बच्चों के लिए ----- बहुत ----- होती है ।
 (ङ) मच्छरों के काटने ----- हो जाता है ।

5. पढ़ो, समझो और याद करो :—

तुम + ने	= तुमने
तुम + को	= तुमको, तुम्हें
तुम + से	= तुमसे
तुम + के लिए	= तुम्हारे लिए
तुम + का/के/की	= तुम्हारा/तुम्हारे/तुम्हारी
तुम + में	= तुममें
तुम + पर	= तुमपर

6. तालिका को ध्यान से देखो, पढ़ो तथा खण्ड 'क' और 'ख' के वाक्यांशों को सही ढंग से जोड़ कर लिखो :—

क	ख	
(अ) एक सीमित जगह पर स्थित रहने वाले रोग को	(अ) संक्रामक रोग कहते हैं।	
(आ) बहुत ही छोटे-छोटे कीटाणुओं द्वारा फैलाए जाने वाले रोगों को	(आ) बहुत ही खतरनाक होती है।	
(इ) बच्चों के लिए दस्त की बीमारी	(इ) दूसरा माध्यम हैं मच्छर।	
(ई) विषैले मच्छरों के काटने से	(ई) स्थानीय बीमारी कही जाती है।	
(उ) संक्रामक रोगों के फैलाने का	(उ) मलेरिया हो जाता है।	

- (अ) -----
(आ) -----
(इ) -----
(ई) -----
(उ) -----

7. वर्तनी सही करके लिखो :—

कीतानु, संकरामक, बीमारि, सीमिट, मच्छरदाणि, प्रानी, दसत ।

-----	-----	-----
-----	-----	-----
-----	-----	-----